मिड–डे मील योजना

संस्था व शिक्षा विभाग बेसिक (नैनीताल) के विगत वर्षों के प्रयासों के बाद अन्ततः सर्व शिक्षा अभियान के तहत संचालित ई0जी0एस0, मदरसों एवं

ए0आई0ई0 शिविरों में पढ़ रहे बच्चों को भी औपचारिक प्राथमिक विद्यालयों में पढ़ रहे बच्चों की तरह मिड–डे–मील का लाभ 26 जनवरी 2006 से मिलने लग गया था। संस्था ने प्रारम्भ से ही महसूस किया कि मिड–डे–मील की आवश्यकता इन गरीब बच्चों को अधिक थी। वास्तव में इन बच्चों को भरपेट भोजन नहीं मिल पाता था। इस हेतु संस्था ने 2003 से ही विभाग से लगातार सम्पर्क बनाये रखा तथा विभाग ने भी इस पर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर 26/01/2006 से मिड–डे मील प्राप्त करने के आदेश संस्था को प्राप्त हुए। प्रारम्भ में इस व्यवस्था को संचालित करने में काफी समस्याओं का सामना करना पड़ा क्योंकि भोजन बनाना काफी समस्याप्रद था। लेकिन विभागीय अधिकारियों तथा केन्द्रों के नजदीकी अध्यापकों के सहयोग से यह जटिल व्यवस्था जल्द ही सामान्य स्थिति में आ गयी।

वर्तमान में संस्था द्वारा संचालित सभी ई0जी0ए0, मदरसा केन्द्रों में मिड–डे मील योजना नजदीकी प्राथमिक विद्यालय के माध्यम से संचालित हो रही है। जहां पर ग्राम शिक्षा समिति द्वारा बर्तनों की व्यवस्था की गयी है तथा संस्था द्वारा समय–2 पर इसका अनुश्रवण किया जाता है। जबकि अन्य व्यवस्थाऐं सभी विभागीय है। ए0आई0ई0 शिविरों मे संस्था द्वारा मिड–डे–मील योजना उप–खण्ड–शिक्षा अधिकारी के साथ मिलकर संचालित की जा रही है। वर्तमान तक इस योजना का लाभ अधिकांश बच्चों को मिल रहा है। तथा सभी क्षेत्रीय जनप्रतिनिधि अभिभावक तथा क्षेत्रीय जनता इस व्यवस्था से काफी संतुष्ट हैं।

गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी समस्त शिक्षा गारन्टी केन्द्रो व मदरसो (प्रा0) मे मिड डे मील योजना से प्रत्येक बच्चो को लाभान्वित किया गया साथ ही साथ ए.आई.ई. (कोसी व दाबका नदियों) में आने वाले खनन श्रमिकों के बच्चो को भी इस योजना से जोड़ा गया इन उपकेन्द्रो की भौगोलिक स्थिति इन्हीं केन्द्रों पर भोजन बनाने हेतु उत्तम नहीं है, क्योकि ये लोग नदियो के किनारे झोपड़ पट्‌टी में रहते हैं तथा संस्था द्वारा इनके बच्चों को शिक्षा व्यवस्था हेतु इनके आवासो पर ही झोपडियो का निर्माण कर शिक्षा की व्यवस्था की है इसलिए प्रत्येक केन्द्र पर भोजन न बनवा कर संस्था द्वारा एक केन्द्र समस्त भोजन का निर्माण कर वाहन (जीप) द्वारा इन बच्चो तक मिड डे मील पहुंचाया जाता है ताकि बच्चों को शुद्ध भोजन उपलब्ध हो सके तथा पौष्टिकता भी प्रतिदिन उपलब्ध करायी जा सके। परन्तु जुलाई 06 में खोले गये (हल्द्वानी नगर व रामनगर नगर क्षेत्र) रात्रिकालीन शिक्षा केन्द्रों पर बार–2 आग्रह के उपरान्त भी मिड डे मील योजना प्रारम्भ नहीं हो पायी है जबकि इन केन्द्रों पर भिक्षावृति, होटलों, दुकानो, कठिन औद्योगिक ईकाइयों में कार्यरत बाल मजदूर अध्ययन हेतु रात्रि को आते हैं और इन्हें वास्वत में इस योजना की नितान्त व अनिवार्य आवश्यता है। नवम्बर 06 में खोले गये नये मदरसों (प्रा0) में भी आभी तक मिड डे मील योजना का प्रारम्भ न हो पाना एक समस्या है। संस्था उम्मीद करती है कि नये सत्र में इन केन्द्रों को भी मिड डे मील योजना से विभाग द्वारा जोड़ कर बच्चों को लाभान्वित कर दिया जायेगा।

Total No. of Student in different Programme/ Project Under USR Indu Samiti Session - 2006-07

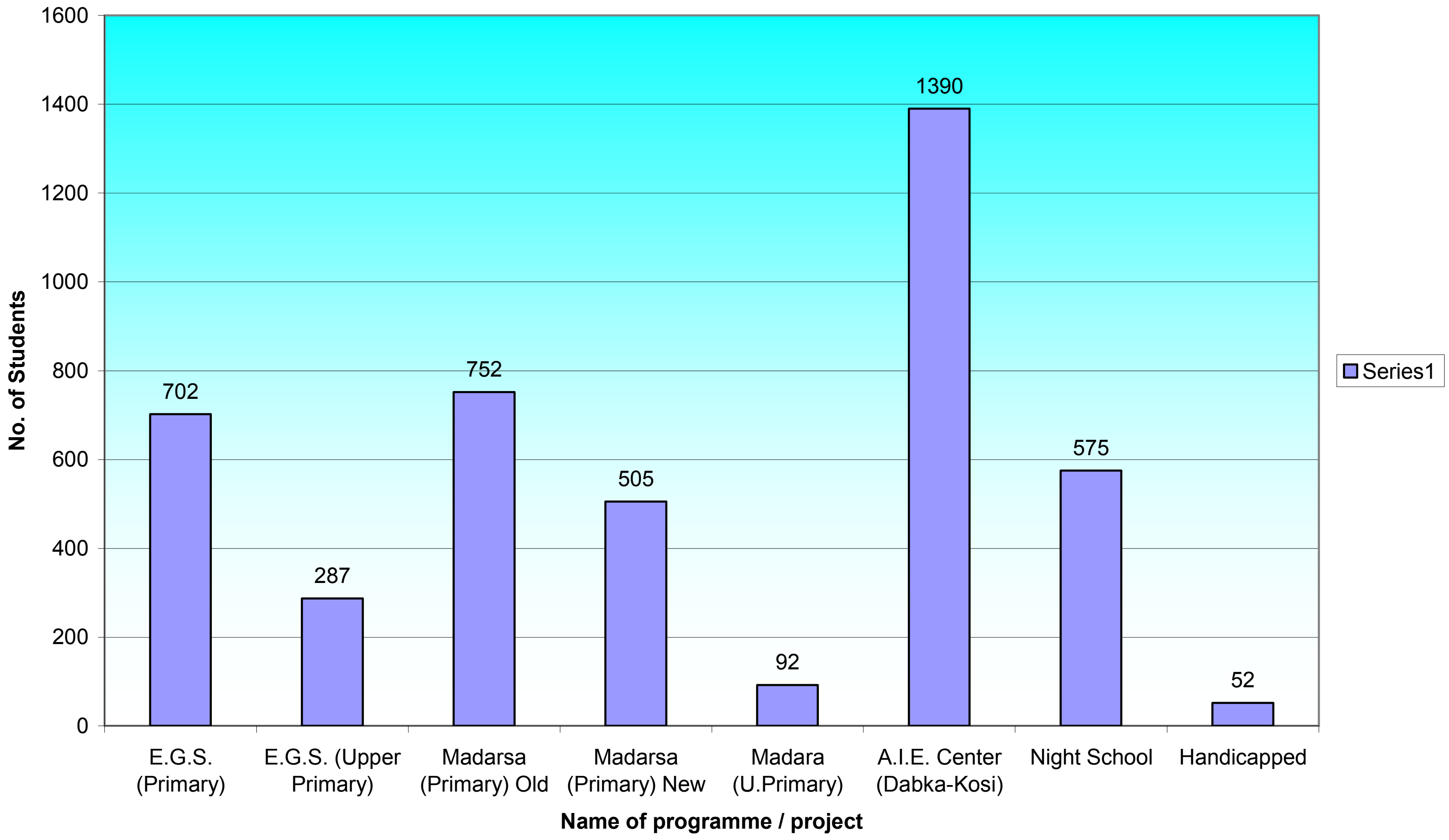

आभार

सर्व शिक्षा अभियान के तहत यू0 एस0 आर0 इन्दु समिति बसई, रामनगर नैनीताल द्वारा 2003 में 09 ई.जी.एस. केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ किया गया । सत्र 2004 में संस्था द्वारा कुल 13 ई.जी.एस., 08 अपर ई.जी.एस. व 02 ए. आई.ई. केन्द्रों का संचालन प्रारम्भ किया सत्र 2005– 06 में संस्था ने इनके अतिरिक्त 08 मदरसा, 02 ए.आई.ई. केन्द्रों के अन्तर्गत 10 उपकेन्द्र व 1 त्रैमासिक आवासीय विकलांग शिविर प्रारम्भ किये वर्तमान सत्र 2006–07 में संस्था सर्व शिक्षा अभियान के तहत कुल 13 ई.जी.एस., 08 अपर ई.जी.एस. 18 मदरसा (प्रा0) 03 मदरसा (उ0 प्रा0), 07 रात्रिकालीन शिक्षा केन्द्र (05 हल्द्वानी व 02 रामनगर नगर क्षेत्र में) 02 ए.आई.ई. केन्द्रों के अर्न्तगत 10 उपकेन्द्र कोसी व दाबका नदी में खनन श्रमिकों के बच्चों हेतु , 01 त्रैमासिक आवासीय विकलांग क्षमता सम्वर्द्धन एवं कौशल विकास शिविर का संचालन कर रही है।

इन समस्त केन्द्रों/शिविरों के संचालन में गत वर्ष तक जिस प्रकार का सहयोग विभागीय अधिकारियों/प्रधानाध्यापकों द्वारा प्राप्त होता था उसके अनुरूप इस सत्र में संस्था को विशेषतः कुछ एन.पी.आर.सी. समन्वयकों व जिला समन्वयक वैकल्पिक शिक्षा नैनीताल के असहयोग पूर्ण रवैये के कारण केन्द्र संचालन में अत्यधिक मानसिक समस्याओं का सामना करना पड़ा तथा जिसकी जानकारी समय–2 पर संस्था द्वारा जिला व राज्य परियोजना कार्यालय को लिखित व मौखिक रूप से प्रेषित की जिसका स्थलीय स्पष्ट उदाहरण जुलाई 06 से संचालित रात्रिकालीन शिक्षा केन्द्रों/मदरसों में आज तक मिड डे मील का धन जारी करने व राज्य परि0 कार्यालय देहरादून के बार–2 स्पष्ट लिखित निर्देशों के बावजूद भी आज तक इस योजना को लागू नहीं किया गया है। जिसके कारण लगातार ड्राप आउटर की संख्या बढ़ती जा रही है जिन बाल श्रमिक बच्चों को संस्था ने अथक प्रयास से केन्द्रों तक पहुंचाया स्वयं विभाग उन्हें ड्राप आउटर बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिस कारण संस्था को बड़े खेद के साथ यहां पर स्पष्टतया अंकित करना पड़ रहा है। चूंकि संस्था जिस प्रकार सभी विभागीय अधिकारियों / जनप्रतिनिधियों के सहयोग से विगत वर्ष तक सर्व शिक्षा के अभियान के उद्देश्य को पूर्ण रूप से प्राप्ति हेतु तत्पर थी वहीं इस वर्ष संस्था का मनोबल व इस योजना को विफल करने में ही कुछ विभागीय अधिकारी लिप्त रहे। जिस कारण संस्था का विश्वास भी इस उद्देश्य की पूर्ति से डिग रहा है।

इसके बावजूद भी संस्था अपने उद्देश्य को केन्द्रित करते हुए उन सभी अधिकारियों जिसमें मुख्यतः उपखण्ड/खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर, क्षेत्रीय विधायकों/जन प्रतिनिधियों, समस्त ग्राम प्रधानों/मदरसा प्रबन्धकों, जिला परियोजना अधिकारी सर्व शिक्षा अभियान नैनीताल, जिला समन्वयक प्रशिक्षण/समेकित शिक्षा/बालिका शिक्षा, मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल, जिलाधिकारी नैनीताल वित्त एवं लेखाधिकारी नैनीताल एवं राज्य समन्वयक वैकल्पिक शिक्षा, अपर राज्य परियोजना निदेशक देहरादून का विशेष आभार व्यक्त करती है। जिनके सहयोग से ही संस्था की समस्याओं का निराकरण यथाशीघ्र संभव हुआ व संस्था चाहे विगत वर्षों की भांति एक बेहतर रूप नहीं दे सकी। लेकिन फिर भी सर्व शिक्षा अभियान के उद्देश्य को प्राप्त करने हेतु अग्रसर है।

अन्ततः संस्था समस्त केन्द्रों के सफल संचालन हेतु सहयोग व मार्ग दर्शन के लिए एन.पी.आर.सी. / सी.आर.सी. समन्वयकों, जिला समन्वयकों, उपखण्ड/खण्ड शिक्षा अधिकारी रामनगर, जिला परियोजना अधिकारी नैनीताल श्रीमती सुषमा सिंह, जिला शिक्षा अधिकारी नैनीताल, वित्तीय अधिकारी जिला परियोजना कार्यालय, नैनीताल, मुख्य विकास अधिकारी नैनीताल श्रीमती निधिमणि त्रिपाठी, पूर्व जिलाधिकारी नैनीताल डॉ0 राकेश कुमार व वर्तमान जिला अधिकारी नैनीताल डॉ0 भूपेन्द्र कौर, समस्त ग्राम प्रधानों, समस्त मदरसा प्रबन्धकों, क्षेत्रीय जन प्रतिनिधियों, पूर्व मुख्यमंत्री प्रतिनिधि श्री योगम्बर सिंह रावत, ब्लाक प्रमुख शिवराज सिंह रावत, पूर्व चेयरमैन नगर पालिका रामनगर भगीरथ लाल चौधरी, वर्तमान विधायक श्री दिवान सिंह बिष्ट, हल्द्वानी नगर पालिकाध्यक्ष हेमन्त बगड़वाल, वर्तमान काबिना मंत्री मा0 बंशीधर भगत, शिक्षाविदों, राज्य परियोजना कार्यालय (सर्व शिक्षा अभियान, देहरादून) से राज्य परियोजना अधिकारी श्रीमती नम्रता कुमार, अपर राज्य परियोजना अधिकारी श्रीमती पुष्पा मानस, राज्य समन्वयक वैकल्पिक शिक्षा श्री नवानी जी, डॉ0 मोहन बिष्ट जी, मा0 राज्यमंत्री अजय टम्टा व मा0 शिक्षामंत्री मदन कौशिक आदि का तहेदिल से आभार व्यक्त करती हैं तथा आशा करती है कि भविष्य में भी आप सभी का सहयोग इसी प्रकार संस्था को प्राप्त होता रहेगा तो अवश्य संस्था अपने उद्देश्य में पूर्ण रूप से सफल होते हुए शिक्षा के क्षेत्र में क्षेत्र, जिले व राज्य का नाम भारतीय मानचित्र पर उभारने में सफल रहेगी।

इन्हीं अपेक्षाओं व पूर्ण आशा के साथ !

प्रबन्धक
(संदीप रावत)
यू.एस.आर. इन्दु समिति, बसई
रामनगर जिला – नैनीताल

- श्रीमती नम्रता कुमार, राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, देहरादून।
- श्रीमती पुष्पा मानस, अपर राज्य परियोजना निदेशक, सर्व शिक्षा अभियान, देहरादून।
- डॉ0 भूपिन्दर कौर, जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला परियोजना, सर्व शिक्षा अभियान , नैनीताल।
- श्रीमती निधिमणी त्रिपाठी, मु0 वि0 अ0/उपाध्यक्ष जिला परियोजना , सर्व शिक्षा अभियान, नैनीताल।
- श्रीमती सुषमा सिंह, सचिव/जिला परियोजना अधिकारी, सर्व शिक्षा अभियान, नैनीताल।